

हिंदी में भी शुरू हुआ पॉपुलर लेखन

Source: विवेक गुप्ता | Last Updated 11:28(31/07/11)

<http://www.bhaskar.com/article/NAT-popular-writing-starts-n-hindi-too-2311643.html>

- [आर्टिकल](#)

Share

नई दिल्ली. पाठकों की कमी का रोना रोने वाले हिंदी साहित्य जगत में लोकप्रिय लेखन की नई श्रेणी विकसित हो रही है, जिसमें न पढ़ने वालों की कमी है, न खरीदने वालों की।

दरअसल, अंग्रेजी में 'बेस्ट सेलर' होना बराबर सम्मान की बात रही है, लेकिन हिंदी में किताब की लोकप्रियता से मिले आर्थिक मूल्य की बजाय उसके साहित्यिक मूल्य को वरीयता दी जाती रही है। पर पेंगुइन, हार्पर कॉलेंस जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान न सिर्फ हिंदी के युवा लेखकों की कृतियां प्रकाशित कर रहे हैं, बल्कि सुंदर कलेवर और मार्केटिंग-प्रचार की रणनीतियों के सहारे ज्यादा से ज्यादा पाठकों को आकर्षित भी कर रहे हैं।

पेंगुइन (हिंदी) के संपादक सत्यानंद निरुपम मानते हैं कि पॉपुलर राइटिंग श्रेणी की हिंदी में भी बहुत जरूरत है। इससे पाठक जुड़ते हैं, जो एक बार पढ़ने की आदत पड़ जाने के बाद अंततः गंभीर साहित्य तक भी पहुंचते हैं। निरुपम बताते हैं कि उन्होंने रवीश कुमार को अनुबंधित किया है, जो 'वन रूम सेट का रोमांस दिल्ली में मेरी जान' नाम से किताब लिख रहे हैं। यह स्टूडेंट्स की कहानी है, जिसमें असल अनुभव भी होंगे।

हार्पर कॉलेंस ने पिछले साल 'अल्पाहारी गृहत्यागी' : आईआईटी से पहले छापी थी। आईआईटी दिल्ली में पढ़े प्रचंड प्रवीर की इस पहली पुस्तक में चयन परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे छात्रों की कथा है। हार्पर कॉलेंस की हिंदी संपादक मीनाक्षी ठाकुर बताती हैं कि उनका संस्थान हर साल कम से कम तीन लेखकों की पहली किताब छापना चाहता है। निरुपम भी ऐसी ही बात कहते हैं। किताबों को आकर्षक रूप देना और आक्रामक मार्केटिंग करना भी इनकी रणनीति का हिस्सा है।

बहरहाल, हिंदी साहित्य जगत ऐसे लेखन का स्वागत करता नहीं लगता। साहित्यकार अर्चना वर्मा कहती हैं कि साहित्य के भीतर 'पॉप लिट' भी एक श्रेणी हो सकती है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि इस लोकप्रिय लेखन के पाठक गंभीर साहित्य की ओर जाना पसंद करेंगे।

पाठक जुड़ते हैं

अंग्रेजी की पॉपुलर राइटिंग श्रेणी की हिंदी में भी बहुत जरूरत है। इससे पाठक जुड़ते हैं और पढ़ने की आदत पड़ती है।

सत्यानंद निरुपम, पेंगुइन (हिंदी) के संपादक

नयों को मौका

हम पॉपुलर फिक्शन की अच्छी-खासी सूची बनाएंगे। हर साल कम से कम तीन लेखकों की पहली किताब छापने की

योजना है।

मीनाक्षी ठाकुर,हार्पर कॉलिंस की हिंदी संपादक

ये है पॉप लिट

अल्पाहारी गृहत्यागी-आईआईटी से पहले : आईआईटी दिल्ली में पढ़े प्रचंड प्रवीर ने चयन परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे छात्रों की कहानी लिखी। (प्रकाशक : हार्पर कॉलिंस)

हफ्ते के आखिरी दिन : पॉप लिट श्रेणी में छापे गए मनोज तिवारी के इस उपन्यास को साहित्य पुरस्कार भी मिले। (प्रकाशक : पेंगुइन)

वन रूम सेट का रोमांस दिल्ली में मेरी जान : मशहूर टीवी जर्नलिस्ट रवीश कुमार की पेंगुइन से छपने वाली किताब में स्टूडेंट्स की कहानी होगी और असल अनुभव भी। उनके ब्लॉग पर इसके अंश देख उपन्यास लिखने अनुबंधित किया गया।